A–598

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–505

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास–02

MA JYOTISH (MAJY)

2nd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. समाजिक क्षेत्र में ज्योतिषशास्त्र की भूमिका का निरूपण कीजिए।

2. प्राचीन मतानुसार सौर परिवार का वर्णन कीजिए।

3. ज्योतिषशास्त्र मानवीय समस्याओं के समाधान में किस प्रकार सहायता प्रदान करता है ? स्पष्ट कीजिए।

4. प्राचीन आचार्यों के अनुसार सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त का निरूपण कीजिए।

5. स्फुट दिग्साधन का प्रतिपादन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. काल के मूर्त्त एवं अमूर्त्त स्वरूप का निरूपण कीजिए।

2. जन्मांग के किस-किस भाव से रोग का निर्धारण होता है ? वर्णन कीजिए।

3. अन्धत्व रोग के कारक भाव एवं ग्रह का निरूपण कीजिए।

4. ह्रदय रोग के कारक ग्रह एवं भाव का वर्णन कीजिए।

5. रोगों के उपचार में ज्योतिषशास्त्र की भूमिकाओं का निरूपण कीजिए।

6. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार प्रलय सिद्धान्त का निरूपण कीजिए।

7. आधुनिक मतानुसार पृथ्वी के स्वरूप का संक्षप्त वर्णन कीजिए।

8. मेषादि राशि के अनुसार कालपुरुष के अंग विभाग का निरूपण कीजिए।

****